



IIMR

Millets

Newsletter



ICAR-Indian Institute of Millets Research, Rajendranagar, Hyderabad. 500 030.

Serial No. 144

Hyderabad ■ Solapur ■ Warangal

October, 2015

In this issue.....

1. Dr. JS Sandhu, DDG (CS) visits IIMR
2. DDG (CS) inaugurates "Sales Outlet"
3. Training Programme on "Value added processing and commercialization of Sorghum"
4. Workshop on "Writing and Publishing skills"
5. Independence Day celebrated
6. "Sadbhavana Diwas"(Harmony Day) observed
7. Review meet of ISO certification committee
8. Guest lecture delivered
9. Promotions
10. Visitors

Visit of the Secretary - ICAR

Shri R. Rajagopal, Additional Secretary (DARE) & Secretary (ICAR), Krishi Bhavan, New Delhi visited Indian Institute of Millets Research (IIMR), on 12 October, 2015. Dr. TG



Nageshwar Rao, Acting Director, IIMR briefed him about the millets status in India, new research initiatives, and other activities being taken up at IIMR to increase the scientific output and to enhance the economic benefit to rural farmers on sustainable basis. Sh. Rajagopal also visited Centre of Excellence on value addition at food Technology Park., and he was briefed the activities of food lab, preparation of various sorghum health foods and their nutritive values. Shri Rajagopal was highly impressed by the research activities happening at IIMR, especially the inventiveness of sorghum food processing technologies and commercialization activities. He stressed the need to popularize millets as health foods in a big way. The scientific fraternity at IIMR also participated in the deliberations.

Training programme on "Value added processing for diversified food uses in sorghum"

IIMR organized a training programme entitled under NFSM "Value added processing for diversified food uses in sorghum", for farmers of Andhra Pradesh and Telangana

समाचार सारांश

सचिव, भाकअनुप का दौरा

श्री आर राजगोपाल, अपर सचिव (डेयर) तथा सचिव (भाकअनुप), कृषि भवन, नई दिल्ली ने 12 अक्टूबर, 2015 को भाकअनुप का दौरा किया। डॉ. टी जी नागेश्वर राव, कार्यकारी निदेशक ने उन्हें भारत में कदन्नों की स्थिति, नई शोध पहलों, तथा वैज्ञानिक परिणामों में वृद्धि एवं ग्रामीण कृषकों को स्थाई रूप में आर्थिक लाभ प्रदान करने हेतु संस्थान में संचालित गतिविधियों के संबंध में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। श्री राजगोपाल ने ज्वार मूल्य वर्धन हेतु स्थापित खाद्य प्रौद्योगिकी स्थल, सेंटर ऑफ एक्सलेंस का भी दौरा किया। उन्होंने बड़े तौर पर कदन्नों को स्वास्थ्यवर्धक खाद्य के रूप में लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

ज्वार के विविध खाद्य के उपयोग हेतु मूल्य-वर्धन प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान में आंध्र प्रदेश तथा तेलंगाना राज्यों से आए कृषकों के लिए 13-14 अक्टूबर, 2015 के दौरान ज्वार के विविध खाद्य के उपयोग हेतु मूल्य-वर्धन प्रसंस्करण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 33 सहभागियों ने भाग लिया। डॉ. टी जी नागेश्वर राव, कार्यकारी निदेशक ने उद्घाटन संबोधन दिया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत आयोजित इस पाठ्यक्रम के समन्वयक तथा सह-समन्वयक क्रमशः डॉ. डी बालकृष्णा तथा श्री पी मुकेश थे।

खरीफ ज्वार हेतु उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकअनुप में महाराष्ट्र के प्रगतिशील कृषकों के लिए 15-16 अक्टूबर, 2015 के दौरान खरीफ ज्वार हेतु उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकियों पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से महिला कृषक शामिल कुल 26 कृषकों के भाग लिया। डॉ. एस एस राव, प्रभारी निदेशक ने उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। डॉ. आर आर चापके, पाठ्यक्रम निदेशक ने पाठ्यक्रम से संबंधित संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षार्थियों को प्रदर्शन प्रक्षेत्रों एवं खाद्य प्रयोगशालाओं का

भी दौरा कराया गया। डॉ. टी जी नागेश्वर राव, कार्यकारी निदेशक तथा डॉ. वी आर भागवत, प्रधान वैज्ञानिक की उपस्थिति में उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

प्रजनन प्रबंधन प्रणाली पर सुग्राहीकरण कार्यक्रम

इक्रिसेट ने अन्य वैश्विक साझेदारों के साथ जेनरेशन चैलेंज प्रोग्राम के अंतर्गत समेकित प्रजनन मंच तैयार किया है। इस मंच का उद्देश्य पादप प्रजनन गतिविधियों को ज्यादा दक्ष एवं प्रतिफल देने वाली बनाना है। प्रजनन प्रबंधन प्रणाली इस मंच का महत्वपूर्ण घटक है। प्रारंभ में डॉ. एस एस राव, प्रभारी निदेशक ने सहभागियों का स्वागत किया। इस अवसर पर इक्रिसेट से डॉ. स्टेफैनिया ग्रैंडो, निदेशक, बरानी खाद्यान्न तथा डॉ. अभिषेक राठोड़ भी उपस्थित थे तथा उन्होंने प्रजनन प्रबंधन प्रणाली के महत्व पर प्रकाश डाला। डॉ. सुजय रक्षित तथा डॉ. ए वी उमाकांत ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया।

ज्वार पर कृषक रैली

भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद के द्वारा जनजाती उप-परियोजना के अंतर्गत अखिल भारतीय समन्वित ज्वार उन्नयन परियोजना के माध्यम से कृषि विभाग, महाराष्ट्र के संयुक्त तत्वावधान में वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, महाराष्ट्र में 27 अक्टूबर, 2015 को ज्वार पर एक कृषि रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का प्रमुख उद्देश्य उच्च उपज युक्त ज्वार कृष्य किस्मों का प्रदर्शन तथा उन्हें अपनाने हेतु कृषकों में विश्वास पैदा करके उनका समाजार्थिकी उत्थान करना था। डॉ. बी वेकंटेश्वर्लु, कुलपति ने इस रैली का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डॉ. जी पी वास्कर, डॉ. एस टी बोरिकर, डॉ. शिवपुजे, श्री रविन्द्र पतंगे, डॉ. कालापांडे तथा डॉ. राजेन्द्र आर चापके मंच पर उपस्थित थे।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

भारतीय कदन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 26 - 31 अक्टूबर, 2015 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह मनाया गया। परिषद के दिशा-निर्देशों के अनुसार इस समारोह के शुभारंभ के अवसर पर 26 अक्टूबर, 2014 को डॉ. टी जी नागेश्वर राव, निदेशक तथा श्री सरोज कुमार सिंह, प्रशासनिक अधिकारी ने संस्थान के स्टाफ को सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा दिलाई। डॉ. पी जी पद्मजा, सतर्कता अधिकारी, भाकअनुसं ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उद्देश्य, भूमिका तथा महत्व पर प्रकाश डाला।

इसके अलावा श्री हिमांशु ठाकुर, मुख्य सतर्कता तथा सुरक्षा अधिकारी, डीआरडीएल, हैदराबाद के द्वारा रोल ऑफ विजिलेंस इन डे टू डे लाइफ पर अतिथि व्याख्यान दिया। श्री एन मूर्ति ने सामान्य वित्तीय नियमों के नियमन के संबंध में सामान्य जानकारी प्रदान की। डॉ. टी जी नागेश्वर राव, निदेशक ने इस कार्यक्रम के समापन समारोह के दौरान प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

- डॉ. महेश कुमार

states during 13-14 October, 2015. A total 33 farmers participated in this training programme. It was a participatory



and interactive training with lab visits to sorghum processing lab. The course covered various aspects on value-addition of sorghum and food processing techniques including operation of primary processing equipment and recipe making. Resource persons were experts in their fields from both private and public institutions. The inaugural programme was addressed by Dr. TG Nageshwar Rao, Acting Director, IIMR. Dr. D Balakrishna was the course coordinator, and Sh. P Mukesh was the co-coordinator.

Training on "Improved production technologies for kharif sorghum"

A two-day national training on "Improved production technologies for kharif sorghum" for progressive farmers



from Maharashtra was organized at IIMR during 15-16 October, 2015. A total 26 farmers including women farmers from two sorghum growing districts, Pune and Nagpur in Maharashtra participated in this training. The major objective of this course was to empower sorghum growers with latest knowledge on improved cultivation and value-addition of sorghum. Dr. SS Rao, Director In-charge, inaugurated the training programme. Dr. Rajendra R. Chapke, Course Director, briefed about the agenda. The training programme broadly covered the technological aspects of improved sorghum production technologies of both kharif and rabi, preparation and marketing of value-added products, forage and sweet sorghum. Besides, the trainees were exposed to the performance of the production technologies by visiting live demonstration fields and food laboratory. The training concluded in presence of Dr. TG Nageshwar Rao, Acting Director, IIMR, Hyderabad and Dr. VR Bhagwat, Principal Scientist, IIMR, Hyderabad.

Sensitization programme on Breeding Management System

Under the auspicious of Generation Challenge Programme (GCP), ICRISAT along with other global partners have developed Integrated Breeding Platform. The platform aims at making plant breeding activities more efficient and rewarding. Breeding Management System (BMS) is an important component of the platform, which has direct

relevance to the plant breeders. Under ICAR-ICRISAT collaborative programme, implementation of BMS in ICAR institutes has been identified as a priority area. Towards this endeavour, a sensitization programme on Breeding Management System was organized at the institute on 30 October, 2015. Dr. SS Rao, Director i/c welcomed the participants and highlighted the long standing collaboration between ICAR-IIMR and ICRISAT in augmenting sorghum



improvement in India. He expected such complementation towards progress of other millets as well. Dr. Stefania Grando, Director, Dry land Cereals, ICRISAT appreciated the interest shown by ICAR-IIMR in Breeding Management System. She stressed that under changing scenario there is an urgent need to increase the efficiency of breeding programmes across crops by adopting genomics tools as well as employing Information and Communication Technologies (ICT). Towards this endeavour, Integrated Breeding Platform is a very timely initiative by the global community and National Agricultural Research Systems need to take advantage of it. Dr. Abhishkh Rathore from ICRISAT presented the salient features of the Breeding Management System and the module and he was supported by Praveen Reddy, Santosh Deshpande and Sarita Pandey from ICRISAT. All Plant Breeders from ICAR-IIMR participated in the meeting. The meeting was coordinated by Drs. Sujay Rakshit and AV Umakanth.

Farmer's Rally on sorghum organized

A farmer's rally on sorghum was conducted at Vasant Rao Naik Marathvada Krish iVidhyapeeth (VNMKV), Parbhani, Maharashtra on 27 October, 2015. This programme was organized by Indian Institute of Millets Research (IIMR) under Tribal Sub-Plan 2015-16 for tribal farmers through All India Coordinated Research Project on Sorghum (AICRP-Sorghum) in collaboration with Department of Agriculture, Government of Maharashtra. The main objective of the programme was to demonstrate high yielding sorghum cultivars, and build-up confidence to adopt them for increasing profitability and socio-economic up-liftment of tribal sorghum farmers.

Dr. B. Venkateshwarlu, Vice-Chancellor inaugurated the sorghum rally. Dr. DP Waskar, Director of Research, Dr. ST Borikar, Ex-Director of Research, Dr. Shivapuje, Member Executive Council, Sh. Ravindra Patange, Member Executive Council, Dr. Kalpande, Oi/c, AICRIP-Sorghum and Dr. Rajendra R. Chapke, Senior Scientist, IIMR, Hyderabad were among the dignitaries on the Dias. Around 100 farmers from Ramwadi, Taluk-Kalamnuri, District Hingoli and women self-help group including AICRP-Sorghum scientists attended the programme. Dr. RR Chapke, IIMR, Hyderabad stressed the importance of sorghum, advised farmers to adopt high yielding hybrids and varieties and also to follow improved cultivation practices. He also briefed them about different value-added sorghum food products and their marketing.

Vigilance Awareness Week observed

The "Vigilance Awareness week" was observed at Indian Institute of Millets Research (IIMR), Hyderabad from 26 to 31



October, 2015. The theme for this year is "Preventive vigilance: A tool for good governance." This event commenced with an oath taking ceremony on 26 October 2015 as per Council's guidelines. The pledge was administered by Dr. TG Nageshwar Rao, Director (Acting) in English and later in Hindi by Shri Saroj Singh, SAO. All the staff took a pledge to eradicate corruption in all the spheres of life and also to perform duties without any favour and fear. Dr. PG Padmaja, Vigilance Officer, IIMR highlighted the objective, role and importance of observing the Vigilance Week and the functioning.

The vigilance department at IIMR organized various events like lectures, Essay competition on "Whistle blowing - to curb corruption" and debate competition on "Pros and Cons of Preventive Vigilance" for the staff and displayed posters during the Vigilance Week. A special lecture entitled "Role of Vigilance in day to day Life" was delivered by Col. Himanshu Thakur, Chief Vigilance & Security Officer from Contemporary Research Laboratory, DRDL, Hyderabad. He emphasized that the purpose of Preventive Vigilance is to bring higher order of morality and rationality in a public service and specifically in the organizations. Lecture was also delivered on "General awareness on Vigilance" by Dr PG Padmaja, Vigilance Officer, IIMR. She highlighted that the purpose of preventive vigilance is to increase fairness, transparency and accountability in government functioning. All the staff were sensitized about the General Financial Rules by Sh. AN Murthy, FAO, IIMR. Dr. TG Nageshwar Rao, Director addressed the staff and distributed certificates and prizes to the winners of various competitions.

Rashtriya Ekta Diwas observed

"Rashtriya Ekta Diwas" was observed at Indian Institute of Millets Research, (IIMR) on 30 October, 2015, to commemorate the birth anniversary of Sardar Vallabh bhai Patel. To mark this occasion all the staff took a pledge to reiterate India's strength and buoyancy against adversaries.

New Scientists Joined IIMR



Sh. Sangappa joined as Scientist (Agricultural Extension) at IIMR on – 12 October 2015. His e-mail id is: sangappa@millets.res.in

Sh. Amasiddha Bellundagi joined as Scientist (Plant Breeding) at IIMR on – 12 October 2015 - His e-mail id is: amasiddha@millets.res.in



Recognition to Dr M Elangovan



Dr M Elangovan, Principal Scientist (Economic Botany), IIMR has been nominated as the South Zone Councillor of the Indian Society of Plant Genetic Resources (ISPGR), New Delhi during 2015-16. IIMR family congratulates him for his new assignment.

Promotion

On the recommendations of departmental promotion committees Sh. K Raveendra babu Technical Officer (Library) is promoted to the post of Senior Technical Officer (Library). IIMR family congratulates him on his promotion.



Visitors

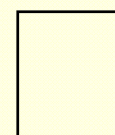
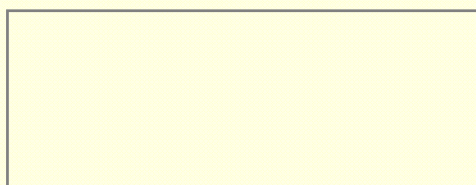
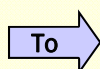
Dr. Ramanujan visits IIMR

Dr. B Ramanujam, Principal Scientist and Nodal Officer, AICRP on Bio control, National Bureau of Agriculturally Important Insects (NBAIL), Bengaluru visited IIMR on 13 October, 2015. He interacted with entomologists and visited ongoing inter-institutional collaborative experiment on "Chilopartellus management using fungal pathogens" at IIMR. He collected sorghum samples from the experimental plots for further studies on endosymbionts at NBAIL, Bengaluru.

Meetings (M) / Symposia (S)/ Workshops (W)/ Trainings (T) Conferences (C) attended

S. No	Name of the Official	Participated in	Type	Venue	Dates
1	Mahesh Kumar	Competency Enhancement Programme for Technical Officer of ICAR Institute	T	NAARM,	06-15 Oct, 2015
2	KBRS Visarada	DST-SERB:Project review meeting	M	New Delhi	26 Oct, 2015
3	PG Padmaja	Vigilance Meeting	M	New Delhi	27-28 Oct, 2015
4	TG Nageswar Rao, VA Tonapi & Raghunath Kulkarni.	8 th National Seed Congress	C	HICC, Hyderabad	27-29 Oct, 2015

Printed Matter / Book Post



Compilation, Editing & Lay-out :

Drs. KV Raghavendra Rao, VA Tonapi
HS Gawali, Sh. K Sanath Kumar &
Dr. B Venkatesh Bhat

Publisher:

Director,
ICAR-Indian Institute of Millets Research

From:

ICAR- Indian Institute of Millets Research (IIMR)

Hq. Rajendranagar, Hyderabad, 500 030
Tel: 040-24015349, 24018651
Fax: 040-24016378
Email: dsrhyd-ap@nic.in
Website: www.millets.res.in

Centre on Rabi Sorghum (IIMR), NH 9
Bypass, Shelgi, Solapur - 413 006 (Mah.)
Tel: 0217-2373456
Telefax: 0217-2373456
E mail: solapur@millets.res.in

Sorghum Off-Season Nursery, Warangal
Officer-In-Charge
Indian Institute of Millets Research, RARS,
(PJ TSAU)
Mulugu Road,
Warangal.